सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०६	००	१६	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण महाभारतकालीन घटनाओं का विस्तार से अध्ययन करें ।
- छात्रगण महाभारत के अल्पज्ञात पात्रों के बारे में जानें ।
- छात्रगण महाभारत की समाज-व्यवस्था को जानें ।
- छात्रगण कर्ण के जीवन के बारे में जानें ।
- छात्रगण कर्ण के वीरता के बारे में जानें ।
- छात्रगण कहानी एवं निबंध की स्वरूपगत विशेषता के बारे में जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	रामधारिसिंह 'दिनकर' : व्यक्ति एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पात्रों का चित्रांकन				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रेरणा-स्त्रोत				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में कल्पना एवं इतिहास का समन्वय				
	ईकाई-३	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की अभिव्यंजना-पद्धति				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की आधुनिकता				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में निरूपित समस्याएँ				
	ईकाई-४	कहानी लेखन				
		निबंध				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में अलंकार योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में निरूपित प्रकृति चित्रण – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में छन्द योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में रस–योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में संवाद योजना – कर्ण की दान महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : रश्मिरथी
संपादक : रामधारी सिंह 'दिनकर'
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'युगचारण दिनकर' : सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली – प्रथम संस्करण
२. 'दिनकर' : सं. सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३. 'दिनकर' : पुनर्मूल्यांकन : एक विजेन्द्र सिंह, परिमल प्रकाशन
४. 'दिनकर' : कुछ पनर्विचार : डॉ. शंभुनाथ – जनचेतना प्रकाशन, कलकता
५. 'दिनकर एक सहज पुरुष : शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. 'दिनकर साहित्य में व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति' : डॉ. रामारानी सिंह – अमित प्रकाशन, गाजियाबाद
७. 'दिनकर का व्यक्तित्व' : डॉ. सोमूरि प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. 'दिनकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व' : सं. जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
९. 'दिनकर का गद्य साहित्य' : डॉ. प्रेमनाथ उपाध्याय –जिज्ञासा प्रकाशन, पटना
१०. 'भारतीय का सांस्कृतिक इतिहास' : डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
११. 'भारतीय सांस्कृति और कला : वाचस्पति गैरोला, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
१२. 'समय और संस्कृति' : श्यामचरण दूब – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. 'भारतीय संस्कृति' : शिवदत्त ज्ञानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. 'भारतीय संस्कृति की रूपरेखा' : पृथ्वीकुमार अग्रवाल विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१५. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१७. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१८. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२०. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२१. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२२. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१७								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : विविध विधाओं का उद्‌भव एवं विकास								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०६	१७	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी गद्य स्वरूपों से परिचित होंगे ।
- छात्र उपन्यास एवं कहानी का स्वरूपगत भेद समझे ।
- छात्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच की आवश्यकता को जानें ।
- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना ।
- छात्रगण यात्रा साहित्य के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रों की संस्कृतियों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साक्षात्कार से व्यक्तिगत प्रतिभा का विकास करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी कहानी : उद्‌भव एवं विकास				
	ईकाई–२	हिन्दी निबंध : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी आलोचना : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी संस्मरण : उद्‌भव एवं विकास				
	ईकाई–३	हिन्दी रेखाचित्र : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी जीवनी : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी आत्मकथा : उद्‌भव एवं विकास				
	ईकाई–४	हिन्दी रीपोर्ताज : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी का यात्रा साहित्य : उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी की पत्र–पत्रिकाएँ : उद्‌भव एवं विकास				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी का एकांकी साहित्य – हिन्दी का व्यंग्य साहित्य – हिन्दी का साक्षात्कार साहित्य – हिन्दी का डायरी साहित्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप : उद्‌भव एवं विकास** **लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा** **प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर**

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यिक निबंध : राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभा रानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसा द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
६. निर्मल वार्मा की कहानियों मे युग-संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
७. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में नारी : डॉ. मनहर गोस्वामी – भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली
८. रामदशर मिश्र के उपन्यासों में गृह-परिवार : डॉ. यशवंत गोस्वामी – नया साहित्य केन्द्र, दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य : रचना से आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१०. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबंधाकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. 'प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच' : डॉ. सुष्मापाल मल्होत्रा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. प्रेमचन्द परिचर्चा : सं. कल्याणमाल सोढा एवं रामनाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिंदी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. यात्रा साहित्य : उद्‌भव एवं विकास : डॉ. सुरेन्द्र माथुर – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१६. शोध के नये आयाम : डॉ. बी. के. कलासवा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१७. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१८. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१९. यात्रा साहित्य : डॉ. सुरेश बाबर – जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२२. निर्मल वर्मा के उपन्यासों में संवेदना और शिल्प : डॉ. एन. एम. डोडिया – सुरभि प्रकाशन, नडियाद
२३. संक्षिप्त हिन्दी साहित्य समीक्षा : डॉ. वखतसिंह गोहिल – वासुकी कृपा ओफसेट, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१८								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – २								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०६	१८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य स्वरूपों के सैद्धांतिक स्वरूप से परिचित हो ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों का तात्विक विवेचन समझे ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों का प्रकार जानें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों की तुलना करें ।
- छात्रगण साहित्य–रूपों की महत्ता समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	नाटक : व्युत्पति के विभिन्न मत	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		नाटक का अर्थ, परिभाषा, तत्व और प्रकार				
		'एकांकी' का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार एकांकी का आधुनिक स्वरूप				
		नाटक एवं एकांकी की तुलना				
	ईकाई–२	'उपन्यास' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, उपन्यास के प्रकार				
		'कहानी' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, कहानी के भेद				
		'उपन्यास' और 'कहानी' में अन्तर, कहानी का आधुनिक स्वरूप				
		'निबंध' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, निबंध के प्रकार				
		'आलोचना' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, आलोचना के प्रकार				
	ईकाई–३	हिन्दी संस्मरण : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		हिन्दी रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		संस्मरण और रेखाचित्र की तुलना				
		जीवनी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
	ईकाई–४	आत्मकथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		जीवनी और आत्म कथा की तुलना				
		रीपोतार्ज : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		यात्रा साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रूपक के भेद – साक्षात्कार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – व्यंग्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – डायरी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप
लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी का गद्य पर्व : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. निर्मल वर्मा की कहानियों में युग–संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
३. साहित्य–सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. आलोचना के नए मान : कर्णसिंह चौहान – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि., दिल्ली
६. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
७. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिरा, आगरा
८. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा : विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी साहित्य कोश–१, पारिभाषिक शब्दावली : सं. धीरेन्द्र वर्मा एवं साथी – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
११. समीक्षा–शास्त्र, डॉ. दशरथ ओझा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१४. आधुनिक आलोचना के प्रतिमान : डॉ. चन्द्रभूषण सिन्हा : डॉ. सुशीला मिश्रा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल 'ब्रिजेश' – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१९								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- हिन्दी के छात्रों को हिन्दी व्याकरण की रूक्षता और अनावश्यक नियमबद्धता के कटु अनुभव से बचाना ।
- अहिन्दी प्रान्तों के हिन्दी छात्रों को हिन्दी की प्रकृति और प्रवृति से परिचित कराना ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा की सरलता, सहजता, सचोटता एवं संक्षिप्तता को जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र व्याकरण के माध्यम से अपनी भाषाकीय अशुद्धियों, असंगतियों को दूर करें ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़कर अपनी वाणी की अशुद्धता को दूर करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी वर्णमाला : स्वर, व्यंजन, अल्पप्राण, महाप्राण, अनुस्वार, अनुनासिक, पंचमाक्षर और अनुस्वार, बलाघात (स्वराघात)	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी शब्द रचना : मूल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, विकारी शब्द, अविकारी शब्द				
		सन्धि : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार				
	ईकाई-२	समास : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		शब्द : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		वाक्य : अर्थ, परिभाषा, विभाजन, प्रकार एवं महत्व				
		विराम चिह्न : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्व				
		शब्द शक्ति : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार				
	ईकाई-३	अलंकार				
		छंद				
	ईकाई-४	हिन्दी भाषा का मानकीकरण एवं आधुनिकता				
		देवनागरी लिपि और विशेषताएँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – लिपि : स्वरूप एवं प्रकार – अनेकार्थ शब्द – मुहावरें एवं लोकोक्ति में अन्तर – कृदन्त के भेद – पर्यायवाची शब्द – देवनागरी लिपि में सुधार – वर्तनी		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी. डी. शर्मा – पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी –भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी भाषा का व्याकरण : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर–ए, झोतवारा, जयपुर
४. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्रीवास्तव
५. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. रुवाली
७. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. श्रीवास्तव
८. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
९. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
१०. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. विमलेश कांति शर्मा –भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१३. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
१५. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
१६. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गुरु – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१७. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. रस छंद अलंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरुण, रीगल बुक डिपो, दिल्ली
२०. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. मालती दुबे – पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२२. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
२३. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, दिल्ली
२४. भाषा: इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वान्द्रियैज – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
२५. प्रशासनिक हिन्दी निपूणता : हरिबाबू कंसाल – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
२६. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने – अमन प्रकाशन, कानपुर
२७. डॉ. फादर कामिल बुल्के की हिन्दी सेवा : प्रा. मोनिका छतवाणी – आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, गाजियाबाद
२८. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२०								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : कबीरा खड़ा बजार में, अंधायुग								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र महाभारत की घटनाओं को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण महाभारतकालीन युद्ध की बर्बरता को जानें ।
- छात्रगण महाभारत एवं हिरोसीमा–नागासाकी के मानव–संहार की तुलना करें ।
- छात्रगण काव्य–नाटक का स्वरूप समझे ।
- छात्रगण कबीर के जीवनवृत के बारे में जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र कबीर की समाजसुधार प्रवृति का ज्ञान प्राप्त करें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'कबीरा खड़ा बजार में' का मूल्यांकन				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई–२	'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की रंगमंचीयता				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में व्यक्त तत्कालीन धर्मान्धता, तानाशाही एवं बाह्याडम्बर का विरोध				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की संवाद योजना				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की प्रासंगिकता				
	ईकाई–३	धर्मवीर भारती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'अन्धायुग' नाटक का कथ्य				
		'अन्धायुग' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		नाट्यकला के आधार पर 'अन्धायुग' का मूल्यांकन				
		'अन्धायुग' नाटक की आधुनिकता				
	ईकाई–४	'अन्धायुग' नाटक की प्रतिकात्मकता				
		'अन्धायुग' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		'अन्धायुग' की मिथकीयता				
		'अन्धायुग' की रंगमंचियता				
		'अन्धायुग' नाटक में युद्ध की समस्या				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'अन्धायुग' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में संकलन–त्रय – 'अन्धायुग' नाटक का संकलन–त्रय – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक का उद्देश्य – 'अन्धायुग' नाटक का उद्देश्य – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में व्यक्त तत्कालीन परिवेश – 'अन्धायुग' नाटक का अभिनेयता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीरा खड़ा बजार में
संपादक : भीष्म साहनी
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : अन्धायुग
संपादक : धर्मवीर भारती
प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, काश्मीरी गेट, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. कलाकार का सत्य : विष्णु प्रभाकर – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. हिन्दी के नाटक–शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
३. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. सत्तरोत्तरी हिन्दी नाटकों में चित्रित यथार्थ : डॉ. गोरखनाथ माने – साहित्य सागर, कानपुर
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य : डॉ. बेचन – सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
७. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
८. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्पविधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
९. हिन्दी का आधुनिक साहित्य : सत्यकाम वर्मा – भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली
१०. सिद्धांत और अध्ययन : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
११. धर्मवीर भारती : साहित्य के विविध आयाम : डॉ. हुकुमचंद राजपाल – चभू प्रकाशन, साहिबाबाद
१२. अंधा युग : एक सृजनात्मक उलब्धि : सुरेश गौतम – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१३. भारती का काव्य : रधुवंश – मैकमिलन इंडिया लि., दिल्ली
१४. अंधायुग एक शैली वैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. कमलेश त्रिवेदी – दर्पण प्रकाशन, नडियाद
१५. धर्मवीर भारती (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) : चन्द्रकान्त बान्दिवेडकर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
१६. अंधायुग : पाठ और प्रदर्शन : जयदेव तनेजा – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१७. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना : पुष्पा भारती – भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नयी दिल्ली
१८. भारतीय लोकरंग शैलियाँ और सामाजिक संदर्भ एक अध्ययन : डॉ. स्मिता सी. पटेल, साहिती हितकारिणी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२१								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग १ : कबीर, मीरांबाई की पदावली								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र मध्यकालीन निर्गुण भक्त साधकों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण भारतीय भक्ति परम्परा में मीरां के स्थान को जानें ।
- छात्रगण कबीर के सामाजिक चेतना संबंधी विद्रोही तेवर को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण औपनिषदिक चिन्तन की परम्परा में कबीर का स्थान निर्धारित करें ।
- छात्रगण मीरांबाई के जीवनवृत को विस्तार से समझें ।
- छात्रगण मीरांबाई के पदों की दार्शनिकता, कृष्णप्रेम की सात्विकता, अभिव्यक्ति एवं भक्तिभावना को जानें ।
- छात्रगण कबीर के शास्त्र-निष्ठ आध्यात्म चिन्तन को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण मीरांबाई के पदों की प्रासंगिकता को जानें ।
- छात्रगण निर्गुण एवं सगुण भक्तों की तुलना करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	निर्गुणभक्ति आन्दोलन और संत साहित्य	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		कबीर युगीन समाज और संस्कृति				
		कबीर का जीवनवृत				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कबीर वाणी' का मूल्यांकन				
		मध्यकालीन धर्म-साधना और कबीर				
		कबीर की भक्ति भावना				
	ईकाई-२	कबीर के दार्शनिक विचार				
		कबीर का समाज-दर्शन				
		कबीर समाज सुधारक के रूप में				
		'कबीर वाणी' में व्यक्त आधुनिक संदेश				
		ज्ञानाश्रयी भक्ति की विशेषताओं के आधार पर 'कबीर' का मूल्यांकन				
		'कबीर' का समसामयिक परवर्ती संतों पर प्रभाव				
	ईकाई-३	कृष्ण-भक्ति आन्दोलन और मीरांबाई				
		भक्तियुगीन समाज और संस्कृति				
		मीरां का जीवन वृत				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मीरांबाई पदावली' का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	कृष्ण भक्ति परम्परा में मीरां का स्थान				
		मीरां की भक्ति भावना				
		मीरां के काव्य की दार्शनिकता				
		मीरां के काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कबीर' की प्रामाणिक कृतियाँ – 'कबीर' की छन्द-योजना – मीरां की प्रामाणिक कृति – मीरां की माधुर्य भक्ति – 'कबीर' का रहस्यवाद – कबीर का राम – मीरां की निर्गुण भक्ति – मीरां के माया सबंधी पद – 'कबीर' की भाषा – कबीर का कवि रूप – मीरां की नवधा भक्ति – मीरां की भाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीर
संपादक : हरिहर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठ्य पुस्तक : मीरांबाई पदावली
संपादक : सं. गयाप्रसाद शुक्ल
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति-साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
२. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का सामाजिक विवेचन : डॉ. सुमन शर्मा – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
३. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, प्रयाग
४. संत-काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता : डॉ. रवीन्द्रकुमार सिंह – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. कबीर की भक्ति-भावना : विलियम द्वायर – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कबीर-चिन्तन : डॉ. ब्रजभूषण शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
७. कबीर : जीवन और दर्शन – उर्वशी सूरती, लोकभारती प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
८. हमारे कवि और लेखक : डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी –श्री राकेश प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
९. प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं. डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह – ध्रुमिल प्रकाशन, अहमदाबाद
१०. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
११. कबीर का काव्य और नाडी-तंत्र : डॉ. शैलेश के. मेहता – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१२. 'सारसार को गही रहै, थोथा देह उडाय': डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फ्रेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१३. मीरांबाई और उनकी पदावली : देशराजसिंह भाटी – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. श्रेय-साधक : कबीर : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सायजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा
१५. संत कबीर : डॉ. रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद
१६. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१७. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य विविध संदर्भ : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१८. मीरां बाई पदावली : परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१९. मध्ययुगीन हिन्दी कविता : डॉ. जी.भास्कर भैया – डॉ. माधवी एस. भंडारी, जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
२१. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार-पक्ष का आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, भोपाल
२२. सूरदास और तुलसीदास का राम भक्ति काव्य : प्रा. विजय एम. सोजित्रा – पैराडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२३. साहित्य शोध-विमर्श : डॉ. मितल जे. भालोडिया, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२४. प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. कैलाश उपाध्याय – श्री निवास प्रकाशन, जयपुर
२५. साहित्यादर्श : डॉ. स्मिता सी. पटेल – उर्मिलमानस प्रकाशन, न्यु दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२२								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी अन्य गद्य विधाएँ : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र रेखा-चित्र के स्वरूप को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण महादेवी वर्मा के अन्य साहित्य सर्जकों के संपर्क को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम से संबंधित रेखाचित्रों द्वारा मानवीय संवेदना को समझे
- छात्रगण संस्मरण के इतिहास को सविस्तार से जानें ।
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र प्रस्तुत रचनाकारों के दुर्लभ व्यक्तित्व से परिचित होंगे ।
- छात्रगण रेखाचित्र एवं संस्मरण का भेद समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	महादेवी वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी रेखाचित्र : परम्परा एवं विकास				
		'प्रणाम' में व्यक्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर की चारित्रिक विशेषताएँ				
		'सुभद्राकुमारी चौहाण' में व्यक्त महादेवी की भावनाएँ				
	ईकाई-२	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पथ के साथी ' का मूल्यांकन				
		'निराला' में व्यक्त उनकी उदारता, दानवृति एवं अतिथि प्रेम				
		'प्रसाद' में व्यक्त प्रसाद का व्यक्तित्व				
		'पंत' में व्यक्त पंत की चारित्रिक विशेषताएँ				
	ईकाई-३	'भक्तिन' में व्यक्त लछमिन का चरित्रांकन				
		'पथ के साथी' में व्यक्त रचनाकारों की सृजनात्मकता				
		'चीनी फेरीवाला' का भावार्थ				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुन्नू की माई' का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	मूक किन्तु ममता मूर्ति 'गुंगिया' की समीक्षा				
		कलावास से भावुक मानव 'ठकुरी बाबा' का मूल्यांकन				
		'स्मृति की रेखाएँ' में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्मृति की रेखाएँ' का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सुभद्राकुमारी चौहाण का विद्रोही व्यक्तित्व – 'निराला' में भाई–बहन संबंध – प्रसाद का जीवन संघर्ष – 'पंत' में व्यक्त मानवीय संबंध – ' चीनी फेरीवाला' में भाई–बहन संबंध – 'भक्तिन' शीर्षक की सार्थकता – 'गूंगिया' का उद्देश्य – 'ठकुरी बाबा' शीर्षक की सार्थकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ
लेखिका : महादेवी वर्मा
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
२. हिन्दी वाङमय बीसवीं शतीं : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. साहित्य विचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
५. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
६. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
७. गद्य के नए आयाम : ओमप्रकाश सिंहल – पीताम्बर पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
८. पथ के साथी की रेखाएँ : डॉ. हरिश 'हरि' – रीगल बुक डिपो, दिल्ली
९. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा –विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१०. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. संस्मरण : महादेवी वर्मा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. महादेवी वर्मा (चिन्तन और कला) : सं. इन्द्रनाथ मदान – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१३. आधुनिकता और सर्जनशीलता : रधुवंश – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि. दिल्ली
१४. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि महादेवी वर्मा : गंगाप्रसाद पांडेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली